

राजस्थान सरकार
राज्य ऽ ३५-६ ऽ विभाग

क्रमांक:- ५०६/१६/राज-६/११/ ५ जयपुर, दिनांक:- ११/५/२००७

-: अधिसूचना :-

राजस्थान सु-राज्य अधिनियम, १९५६ ऽ १९५६ का अधिनियम संख्या-१५ ऽ की धारा २६० की उप-धारा ऽ १ ऽ के अन्तर्गत ऽ ३ ऽ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार एक द्वारा अधिनियम की धारा २६-अ के तहत राजस्थान विधायी ऽ संशोधन अधिनियम, १९९९ ऽ १९९९ का अधिनियम संख्या २१ ऽ के द्वारा अन्तःस्थापित की गई है, के प्रयोगार्थ निम्न-लिखित अधिकारियों को उनके सामने जीवित केन्द्राधिकार के भीतर अधिकारों का कार्यवाहक ऽ Extinction ऽ एवं पुनः आरम्भ ऽ Resumption ऽ करने हेतु प्राधिकृत अधिकारों की शक्तियाँ प्रदत्त करती है ।

अधिकारी

केन्द्राधिकार

१- ज्जायक कोर्ट, के० पाटन

जयपुराधिकार के० पाटन एवं जयपुर

२- ज्जायक कोर्ट, जयपुराधिकार के० हुन्दी

जयपुराधिकार कोर्टी एवं हुन्दी ।

राज्यपाल की आज्ञा से,

४२
श्रीमान जयपुर एवं
शासन एवं शक्ति

५. निम्नलिखित निम्नलिखित को प्रयोगार्थ एवं आवाहक व कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

१- निधी शक्ति, राज्य मंत्री / राज्य शक्ति ।

२- शिक्षा कोर्ट, हुन्दी ।

३- निदेशक, राज्य मन्त्र, जयपुर ।

४- निदेशक, राज्य केन्द्रीय प्रशासन, जयपुर की राजस्थान विधायी दिनांक: ११/५/२००७ के प्रयोगार्थ ।

५- "साक्षरता" राज्य मन्त्र, जयपुर ।

६- निदेशक, जनसम्पर्क निदेशक, जयपुर ।

७- उप निदेशक ऽ विगत एवं सेवा ऽ राज्य मन्त्र, जयपुर ।

८- शासन एवं शक्ति, जयपुराधिकार एवं आवाहक विभाग, जयपुर ।

९- शक्ति प्रशासकी ।

शासन एवं शक्ति

श्रीमान / १०५६ ।